

हमारा वतन

देश का अपना अखबार

हमारा وطن ہمارا وطن

संस्थापित 1965

www.hamarawatan.com FOLLOW US:- Facebook Hamarawatan Instagram Hamarawatan65 Twitter Hamarawatan3 YouTube Hamarawatan

वर्ष- 57

अंक-44

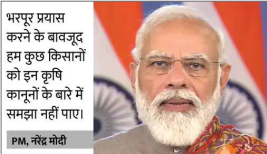
जयपुर, सोमवार, 22 नवम्बर, 2021

वार्षिक शुल्क 200 रुपये (एक प्रति 4 रु.)

पृष्ठ संख्या 4



किसानों के आगे झुकी सरकार



नई दिल्ली (एजेंसी)। किसानों के हठ के आगे आखिरकार मोदी सरकार को झुकना पड़ा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीनों विवादित कृषि कानून वापस लेने का फैसला किया है। इस ऐलान के लिए दिन चुना गया प्रकाश पर्व का। पीएम ने शुक्रवार को राष्ट्र के नाम 18 मिनट के संबोधन में यह बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि सरकार ये कानून किसानों के हित में नेक नीयत से लाई थी, लेकिन हम कुछ किसानों को समझाने में नाकाम रहे।

सबसे पहले प्रकाश पर्व और देव दीपावली की शुभकामनाएं

प्रधानमंत्री मोदी ने संबोधन की शुरुआत में कहा, मेरे प्यारे देशवासियों आज देव दीपावली का पवन पर्व है। आज गुरु नानक देव जी का भी पवन प्रकाश पर्व है। मैं विश्व में सभी लोगों और सभी देशवासियों को बधाई देता हूँ। यह भी बेहद सुखद है कि डेढ़ साल बाद कतरारपुर साहिब कारिडोर फिर से खुल गया है।

छोटे किसानों के हित में लागू थे तीनों कृषि कानून

शुभकामनाएं देने के बाद मोदी ने किसानों के हित में अपनी सरकार के काम और योजनाएं गिनाईं। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार की 10 हज़ार एफपीओ किसान उत्पादक संगठन बनाने की प्लानिंग है। हमने एमएसपी और क्रांप लोन बढ़ा दिया है।

14 महीने बाद तीनों कृषि कानून वापस



राहुल गांधी ने कहा- अन्याय के खिलाफ ये जीत मुबारक हो!

राहुल गांधी ने अपना एक पुराना वीडियो ट्वीट करके लिखा कि देश के अन्नदाता ने सत्याग्रह से अहंकार का सर झुका दिया। अन्याय के खिलाफ ये जीत मुबारक हो! कांग्रेस के महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने मीडिया से कहा कि मोदी सरकार ने आज अपना अपराध स्वीकार किया है। अब जनता इस अपराध की सजा तय करेगी। इस फैसले के पीछे भाजपा का यूपी और पंजाब समेत 5 राज्यों में चुनाव हारने का डर दिख रहा है।
आज के दिन बड़ी खुशखबरी मिली-केजरीवाल
आज प्रकाश दिवस के दिन कितनी बड़ी खुशखबरी मिली। तीनों कानून रद्द। 700 से ज्यादा किसान शहीद हो गए। उनकी शहादत अमर रहेगी। आने वाली पीढ़ियां याद रखेंगी कि किस तरह इस देश के किसानों ने अपनी जान की बाजी लगाकर किसानों और किसानों को बचाया था।

मोदी की 18 मिनट की स्पीच में 1430 शब्द-1067 शब्द में कृषि कानून वापसी की भूमिका बांधी, 19 शब्द में किया ऐलान
कृषि कानूनों को वापस लेने के लिए दिए गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 18 मिनट के संबोधन में 1430 शब्द थे। कानून वापसी घोषणा से पहले भूमिका बांधने में पीएम ने 1067 शब्द, घोषणा करने में 86 और घोषणा की वजह बताने में 277 शब्द कहे। साथियों, मैं देशवासियों से क्षमा मांगते हुए, सच्चे मन से और पवित्र हृदय से कहना चाहता हूँ कि शायद हमारी तपस्या में ही कोई कमी रह गई होगी, जिसके कारण दिए के प्रकाश जैसा सत्य, कुछ किसान भाइयों को हम समझा नहीं पाए। आज गुरु नानकदेव जी का प्रकाश पर्व है। यह समय किसी को भी दोष देने का नहीं है। आज मैं आपको, पूरे देश को ये बताने आया हूँ कि हमने तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने का, Repeal करने का निर्णय लिया है।

गहलोत बोले- पीएम ने घबराकर फैसला वापस लिया

जयपुर (नि.सं.)। केन्द्र सरकार को और से तीन कृषि कानून वापस लेने की घोषणा पर राजस्थान कांग्रेस सरकार ने केन्द्र पर सियासी हमला बोलते हुए निशाना साधा है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि उच्च चुनावों में हुई करारी हार के बाद केन्द्र सरकार ने यूपी समेत 5 राज्यों में आगामी विधानसभा चुनावों में हार की आशंका और घबराहट के चलते यह फैसला लिया है।

अखिलेश यादव ने कहा- यह अहंकार की हार

प्रधानमंत्री के ऐलान के बाद सपा नेता अखिलेश यादव ने कहा कि किसानों के प्रयासों की आखिरकार जीत हुई है। यह अहंकार की हार और किसानों की, गणतंत्र की जीत है। लोग आगामी चुनावों में केंद्र सरकार को माफ नहीं करेंगे। यह झूठी माफी किसी काम नहीं आएगी।
कृषि कानूनों को वापस लेने के फैसले से नाराज कंगना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीनों कृषि कानून वापस लेने का फैसला किया है। सरकार के इस फैसले से एक्ट्रेस कंगना रनोट निराश हैं। इस पर अपने कंगना ने अपने विचार सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है।
कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने भी कसा तंज
चिदंबरम ने कहा कि जो लोकतांत्रिक विरोध से हासिल नहीं किया जा सकता, वह आने वाले चुनावों के डर से हासिल किया जा सकता है। तीन कृषि कानूनों को वापस लेने की प्रधानमंत्री की घोषणा नीति परिवर्तन या हृदय परिवर्तन से प्रेरित नहीं है।

कृषि कानून की वापसी पर चौमूं में आरएलपी कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न



चौमूं (हमारा वतन) चौमूं नगरपालिका के सामने किसान विरोधी काले कानूनों को मोदी सरकार द्वारा वापस लिए जाने पर राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के कार्यकर्ताओं ने प्रदेश महामंत्री छुट्टन यादव के नेतृत्व में आतिशबाजी की और किसानों का मुंह मीठा करने खुशी मनाई। इस अवसर पर जिला महामंत्री रामबाबू गोरार ने बताया कि यह कृषि काले कानून किसानों के हित में नहीं थे, जिन्हें आज मोदी सरकार ने वापस लिया है। यह फैसला देश के किसानों के संघर्ष की जीत है। इस मौके पर प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मुकेश घोसल्या, जिला प्रवक्ता लालचंद झाड़ा, पार्षद पृथ्वीराज योगी, नगर अध्यक्ष मुकेश गुलिया, रविकांत शर्मा, बलबीर लाम्बा, इरशाद खान, मुकेश कलवानिया, बलदेव यादव, राजू बराला, टीपू खान, विष्णु शर्मा, मुकेश डबास, रणवीर शर्मा, भैरू यादव, मालीराम यादव, दीपू पलसानिया, मकखन बराला, विनोद यादव, योगेश यादव, भास्कर चौधरी, रामू गोरार, महेंद्र गोदारा, मुकेश यादव सहित अन्य रातोपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जयपुर में गंदगी देख गुस्से में आई महापौर

इयूटी पर नहीं आने पर 25 सफाई कर्मचारी सरपेंड, बनीपार्क, कलेक्ट्रेट, रेलवे स्टेशन पर दिखी गंदगी
जयपुर(नि.सं.)। जयपुर नगर किंगडम हैरिटेज की मेयर मुनेश गुर्जर ने आज बनीपार्क, कलेक्ट्रेट समेत जयपुर शहर के कई इलाकों का दौरा कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान कई जगह गंदगी के ढेर दिखे और सफाई कर्मचारी भी इयूटी पर नहीं मिले। शहर में जगह-जगह कचरा दिखने और कर्मचारियों के गैरहाजिर रहने से नाराज मेयर ने सभी 25 कर्मचारियों को सरपेंड करने के आदेश दे दिए। मेयर ने अपने दौरे के शुरुआत कलेक्ट्रेट सफाई से की जहां से वे बडीरिया बस्ती, रेलवे स्टेशन, ग्रामीण चौपाल, बनीपार्क, शिव मार्ग होते हुए सैटलवट हॉस्पिटल पहुंची।

राष्ट्रीय पर्यावरण संरक्षण जन जागरूकता अभियान

संयोजक
अशोक पाल सिंह (शिक्षक)
(पर्यावरण मित्र एवं प्रकृति प्रेमी)
विशेष दिवस पर एक पेड़ लगाकर सेवा का संकल्प लें !
E mail :- sashokpalz67@gmail.com
राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बिड़ौली, विकास खंड नारसन, जनपद हरिद्वार (उत्तराखंड) संपर्क :- 9410932259, 7037551212.

